

राजस्थान पी.सी.एस. प्रारंभिक तथा मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम

प्रश्न पत्र ।

सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन

इकाई इतिहास

खंड अ - राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य परम्परा और धरोहर

- प्रागैतहासिक काल से 18 वीं शताब्दी के अवसान तक राजस्थान के इतिहास के प्रमुख सोपान, महत्वपूर्ण राजवंश, उनकी प्रशासनिक एवं राजस्व व्यवस्था । 19 वीं -20वीं शताब्दी की प्रमुख घटनाएं: किसान एवं जनजाति आन्दोलन, राजनीतिक जागृति, स्वतन्त्रता संग्राम और एकीकरण ।
- राजस्थान की धरोहर: प्रदर्शन व ललित कलाएं, हस्तशिल्प व वास्तुशिल्प, मेले, पर्व,
- लोक संगीत व लोक नृत्य ।
- राजस्थानी साहित्य की महत्वपूर्ण कृतियाँ एवं राजस्थान की बोलियाँ ।
- राजस्थान के संत, लोक देवता एवं महत्वपूर्ण वभूतियाँ ।

खंड ब- भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

- भारतीय धरोहर : सन्धि सभ्यता से लेकर ब्रिटिश काल तक के भारत की ललित कलाएँ, प्रदर्शन कलाएँ, वास्तु परम्परा एवं साहित्य ।
- प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत के धार्मिक आन्दोलन और धर्म दर्शन ।
- 19वीं शताब्दी के प्रारंभ से 1965 ईस्वी तक आधुनिक भारत का इतिहास: महत्वपूर्ण
- घटनाक्रम, व्यक्तित्व और मुद्दे । भारत का राष्ट्रीय आन्दोलन - इसके विभिन्न चरण व धाराएं, प्रमुख योगदानकर्ता और देश के भिन्न भिन्न भागों से योगदान ।
- 19वीं -20वीं शताब्दी में सामाजिक- धार्मिक सुधार आन्दोलन ।
- स्वातंत्र्योत्तर सुदृढीकरण और पुनर्गठन- देशी रियासतों का वलिय तथा राज्यों का भाषायी आधार पर पुनर्गठन ।

खंड स- आधुनिक विश्व का इतिहास (1950 ईस्वी तक)

- पुनर्जागरण व धर्म सुधार ।
- प्रबोधन व औद्योगिक क्रांति ।
- एशिया व अफ्रीका में सामाज्यवाद और उपनिवेशवाद ।
- विश्व युद्धों का प्रभाव ।

इकाई II - अर्थव्यवस्था

खण्ड अ- भारतीय अर्थशास्त्र

- अर्थव्यवस्था के प्रमुख कषेत्र : कृषि, उद्योग और सेवा- वर्तमान स्थिति, मुद्दे एवं पहल
- बैंकिंग : मुद्रा-पूर्ति और उच्चधिकार प्राप्त मुद्रा की अवधारणा, केन्द्रीय बैंक एवं वाणिज्य बैंकों की भूमिका एवं कार्यप्रणाली, अनर्जक परसिपत्ति, वित्तीय समावेशन, मौद्रिक नीतिअवधारणा, उद्देश्य और साधन ।
- लोक वित्त: भारत में कर सुधार- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर, परदिान, नकद हस्तांतरण और अन्य संबंधी मुद्दे, भारत की वर्तमान राजकोषीय नीति ।
- भारतीय अर्थव्यवस्था में हाल के रूझान- विदेशी पूंजी की भूमिका, बहुराष्ट्रीय कंपनियों, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, नरियात-आयात नीति, 12" वित्त आयोग, गरीबी उन्मूलन योजनाएं ।

खण्ड ब- वैश्विक अर्थव्यवस्था

- वैश्विक आर्थिक मुद्दे और प्रवृत्तियाँ : विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व व्यापार संगठन की भूमिका।
- विकासशील, उभरते और विकसित देशों की संकल्पना।
- वैश्विक परिदृश्य में भारत।

खण्ड स- राजस्थान की अर्थव्यवस्था

- राजस्थान के विशेष संदर्भ में कृषि, बागवानी, डेयरी और पशुपालन।
- औद्योगिक क्षेत्र : संवृद्धि और हाल के रूझान।
- राजस्थान के विशेष संदर्भ में संवृद्धि, विकास और आयोजना।
- राजस्थान के सेवा क्षेत्र में वर्तमान में हुए विकास एवं मुद्दे।
- राजस्थान की प्रमुख विकास परियोजनाएं- उनके उद्देश्य और प्रभाव।
 - राजस्थान में आर्थिक परिवर्तन के लिए सार्वजनिक नज़ी भागीदारी मॉडल।
 - राज्य का जनकविकी परिदृश्य और राजस्थान की अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव।

इकाई III समाजशास्त्र, प्रबंधन, लेखांकन एवं अंकेक्षण

खण्ड अ- समाजशास्त्र

- भारत में समाजशास्त्रीय विचारों का विकास
- सामाजिक मूल्य
- जाति वर्ग और व्यवसाय
- संस्कृतिकरण
- वर्ण, आश्रम, पुरूषार्थ एवं संस्कार व्यवस्था
- धर्म नरिपेक्षता
- मुद्दे एवं सामाजिक समस्याएं
- राजस्थान के जनजातीय समुदाय- भील, मीणा एवं गरासिया

खण्ड ब- प्रबंधन

- प्रबंधन- क्षेत्र, अवधारणा, प्रबंधन के कार्य - योजना आयोजन. स्टाफ निर्देशन समन्वय और
- नियंत्रण, नरिणय लेना :अवधारणा प्रक्रिया और तकनीक।
- वणिणन की आधुनिक अवधारणा, वणिणन मशिरण-उत्पाद मूल्य स्थान और संवर्धन
- धन के अधिकतमकरण की अवधारणा एवं उद्देश्य वृत्ति के स्त्रोत - छोटी और लंबी अवधि पूंजी संरचना, पूंजी की लागत
 - नेतृत्व और प्रेरणा की अवधारणा और मुख्य सिद्धांत संचार प्रक्रिया, भर्ती चयन, प्रेरण प्रशिक्षण एवं विकास और मूल्यांकन प्रणाली के मूल सिद्धांत

खण्ड स-लेखांकन एवं अंकेक्षण

- वृत्तीय वरिण वशिलेषण की तकनीक कार्यशील पूंजी प्रबंधन के मूल सिद्धांत जवाबदेही और
- सामाजिक लेखांकन अंकेक्षण का अर्थ एवं उद्देश्य ,आंतरिक नरिंत्रण सामाजिक प्रदर्शन और कार्यकुशलता अंकेक्षण।
- वभिन्न प्रकार के बजट एवं उनके मूल सिद्धांत, बजटीय नरिंत्रण

प्रश्न पत्र- II सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन

इकाई - प्रशासकीय नीतशास्त्र

- नीतशास्त्र एवं मानवीय मूल्य- महापुरूषों, समाज सुधारकों तथा प्रशासकों के जीवन से प्राप्त शिक्षा। परिवार, सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं का मानवीय मूल्यों के पोषण में योगदान।
- नैतिक समप्रत्यय- ऋत एवं ऋण, करतव्य की अवधारणा, शुभ एवं सद्गुण।
- नज़ी एवं सार्वजनिक संबंधों में नीतशास्त्र की भूमिका- प्रशासकों का आचरण, मूल्य
- एवं राजनैतिक अभिवृत्ति- सत्यनषिठा का दार्शनिक आधार।
- भगवद् गीता का नीतशास्त्र एवं प्रशासन में इसकी भूमिका।
- गांधी का नीतशास्त्र।
- भारतीय एवं विश्व के नैतिक चतियों एवं दार्शनिकों का योगदान।
- तनाव प्रबंधन।
 - उपरोक्त विषयों पर आधारित केस अध्ययन।
- संवेगात्मक बुद्धि-अवधारणाएं एवं उनकी उपयोगिताएं।

इकाई II - सामान्य वजिज्ञान एवं तकनीकी

नैनो तकनीकी-संकल्पना तथा उसके अनुप्रयोग, भारत का नैनो मशिन

- नाभिकीय तकनीकी - आधारभूत संकल्पना, रेडियोऐक्टिविटा तथा उसके अनुप्रयोग. वभिन्न प्रकार के नाभिकीय रिएक्टर, असैन्य तथा सैन्य उपयोग, भारत में नाभिकीय तकनीकी विकास के लिए संस्थागत संरचना ।
- दूरसंचार- आधारभूत संकल्पना, आमजन के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए दूरसंचार का अनुप्रयोग, भारतीय दूरसंचार
- उद्योग - संकषिपित इतिहास सहति, भारतीय दूरसंचार नीति तथा टेलीकॉम रेग्युलेटरी अर्थोर्टी ऑफ इण्डिया ।
- वदियुतचुम्बकीय तरंगें, संचार व्यवस्था, कम्प्यूटर के आधारभूत तत्व, प्रशासन में सूचना ।
- तकनीकी, ई-गवर्नेंस, ई-वाणजिय (ई-कॉमर्स) का उपयोग ।
- रक्षा- भारतीय मसिाइल कार्यक्रम के संदर्भ में मसिाइल के प्रकार, वभिन्न रासायनिक और
- जैवकि हथियार, DRDO की वभिन्न कषेत्रों (हथियार के अतरिकित) में भूमिका ।
- दरव्य की अवस्थाएँ ।
- कार्बन के अपररूप ।
- pH मापक्रम तथा pH का दैनिकि जीवन में महत्व ।
- संकषारण तथा उसका नविरण ।
- उत्प्रेरक ।
- साबुन और अपमार्जक - साबुन की शोधन क्रयिया ।
- बहुलक तथा उनके उपयोग ।
- मानव के पाचन, श्वसन, परसिंचरण, उत्सर्जन, समन्वयन एवं जनन तंत्रों की सामान्य जानकारी ।
 - जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग एवं उससे सम्बद्ध नीतपिरक एवं बौदवकि संपदा अधकिार से संबंधति मुद्दे ।
 - भोजन एवं मानव स्वास्थय : संतुलति एवं असंतुलति भोजन, कुपोषण ; मादक पदार्थ; रक्त, रक्त समूह एवं रोधकषमता (प्रतजिन एवं प्रतरिकषी), रक्ताधान; प्रतरिकषीकरण एवं टीकाकरण; की सामान्य जानकारी ।
 - मानव रोग : संचरणीय एवं असंचरणीय रोग; तीव्र एवं चरिकाली रोग, संक्रामक, आनुवांशकि एवं जीवन शैली से उत्पन्न रोगों के कारण एवं नविरण ।
 - जल की गुणवत्ता एवं जल शोधन ।
 - राजस्थान राज्य के वशिष संदर्भ में सार्वजनिकि स्वास्थय उपक्रम ।
 - वजिज्ञान एवं टेक्नोलॉजी में भारतीय वैजिज्ञानिकों का योगदान ।
 - पारसिथतिकि तंत्र : संरचना एवं कार्य ।
 - वातावरण : संघटक एवं मूलभूत पोषण चक्र (नाइट्रोजन, कार्बन एवं जल चक्र) जलवायु परविरतन; नवीनीकरणीय एवं अनवीकरणीय ऊर्जा ।
 - वातावरणीय प्रदूषण एवं नमिनीकरण; अपशषिट प्रबंधन ।
 - राजस्थान राज्य के वशिष संदर्भ में जैव वविधिता एवं उसका संरकषण ।
 - राजस्थान राज्य की पारंपरिकि प्रणालियों के वशिष संदर्भ में जल संरकषण ।
 - राजस्थान राज्य के वशिष संदर्भ में कृषि वजिज्ञान, उद्यान-वजिज्ञान, वानिकी, डेयरी एवं पशु पालन ।

इकाई II पृथ्वी वजिज्ञान (भूगोल एवं भू-वजिज्ञान)

खण्ड अ-वशिष

- प्रमुख भौतिक भू-आकृतिया: पर्वत, पठार, मैदान, झीलें एवं हमिनद
- भूकंप एवं जवालामुखी: प्रकार, वतिरण एवं उनका प्रभाव
- पृथ्वी एवं भूवैजिज्ञानिकि समय सारणी
- समसामयिकि भू-राजनीतिकि समस्याएं

खण्ड ब-भारत

- प्रमुख भौतिक: पर्वत, पठार, मैदान, झीलें एवं हमिनद
- भारत के प्रमुख भू-आकृतिकि प्रदेश ।
- जलवायु : मानसून की उत्पत्ति, ऋतुओं के अनुसार जलवायु दशायें, वर्षा का वतिरण एवं जलवायु प्रदेश । प्राकृतिकि संसाधन:
 - (क) जल, वन एवं मृदा संसाधन
 - (ख) शैल एवं खनजि-प्रकार एवं उनका उपयोग ।
- जनसंख्या: वृद्धि, वतिरण, घनत्व, लगानुपात, साकषरता, नगरीय एवं ग्रामीण जनसंख्या

खण्ड स-राजस्थान

- प्रमुख भौतिक भू-आकृतियाँ पर्वत, पठार, मैदान, नदियाँ एवं झीलें
- प्रमुख भू-आकृतिकि प्रदेश
- प्राकृतिकि वनस्पति एवं जलवायु

- पशुपालन, जंगली जीव-जन्तु एवं उनका संरक्षण
- कृषि प्रमुख फसलें खनजि संसाधन-
(क) धातविकि खनजि: प्रकार, वतिरण एवं उनका औद्योगिकि उपयोग
(ख) अधातविकि खनजि: प्रकार, वतिरण एवं उनका औद्योगिकि उपयोग
- ऊर्जा संसाधन: परम्परागत एवं गैर परम्परागत स्रोत
- जनसंख्या एवं जनजातियाँ

प्रश्न पत्र III

सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन इकाई

भारतीय राजनीतिक व्यवस्था, विश्व राजनीति एवं समसामयिकी मामले

- भारतीय संविधान : निर्माण, विशेषताएँ, संशोधन, मूल ढाँचा
- वैचारिक सत्त्व : उद्देशिकि, मूल अधिकार, राज्य नीतिके नदिशक तत्व, मूल कर्तव्य
- **संस्थात्मक ढाँचा I** : संसदीय प्रणाली, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मंत्री परिषद, संसद
- **संस्थात्मक ढाँचा II** : संघवाद, केन्द्र-राज्य संबंध, उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय,
- न्यायिक पुनरावलोकन, न्यायिक सक्रियता ।
- **संस्थात्मक ढाँचा III** : भारत निर्वाचन आयोग, नयित्त्रक एवं महा लेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, नीति आयोग, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, केन्द्रीय सूचना आयोग, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग **राजनीतिक गत्यात्मकताएँ** : भारतीय राजनीतिके जाति, धर्म, वर्ग, नृजातीयता, भाषा एवं लिंगी की भूमिकि, राजनीतिके दल एवं मतदान व्यवहार, नागरिक समाज एवं राजनीतिके आंदोलन, राष्ट्रीय अखंडता एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दे, सामाजिक-राजनीतिके संघर्ष के संभावित क्षेत्र ।

राजस्थान की राज्य-राजनीति : दलीय प्रणाली, राजनीतिके जनांकिकी, राजस्थान में राजनीतिके प्रतस्पर्धा के विभिन्न चरण, पंचायती राज एवं नगरीय स्वशासन संस्थाएँ । शीत युद्धोत्तर दौर में उदीयमान विश्व-व्यवस्था, संयुक्त राज्य अमरिका का वर्चस्व एवं इसका प्रतस्पर्धि, संयुक्त राष्ट्र एवं क्षेत्रीय संगठन, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद एवं पर्यावरणीय मुद्दे ।

भारत की वदिश नीति : उद्विकास, निर्धारक तत्व, संयुक्त राज्य अमरिका, चीन, रूस एवं यूरोपीय संघ के साथ भारत के संबंध, संयुक्त राष्ट्र, गुट नरिपेक्ष आंदोलन, ब्रिक्स, जी-20, जी-77 एवं सार्क में भारत की भूमिकि ।

- दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया एवं पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिके एवं रणनीतिके विकास तथा उनका भारत पर प्रभाव । समसामयिकी मामले : राजस्थान, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व की समसामयिकी घटनाएँ, व्यक्तिके एवं स्थान, खेलकूद से जुड़ी हाल की गतिविधियाँ ।

इकाई-II

लोक प्रशासन एवं प्रबंधन की अवधारणाएँ, मुद्दे एवं गत्यात्मकता

- प्रशासन एवं प्रबंध- अर्थ, प्रकृति एवं महत्व, विकसित एवं विकासशील समाजों में लोक प्रशासन की भूमिकि, एक विषय के रूप में लोक प्रशासन का विकास, नवीन लोक प्रशासन, लोक प्रशासन के सिद्धांत ।
- अवधारणाएँ- शक्ति, सत्ता, वैधता, उत्तरदायित्व एवं प्रत्यायोजन ।
- संगठन के सिद्धांत- पदसोपान, नयित्त्रण का क्षेत्र एवं आदेश की एकता ।
- प्रबंधन के कार्य- नगिमति शासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व ।
- लोक प्रबंधन के नवीन आयाम- परिवर्तन का प्रबंधन
- लोक सेवा के आधारभूत मूल्य एवं अभिवृत्त- लोक सेवा सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, गैरपक्ष, धरता एवं समर्पण, सामान्यज्ञ एवं विशेषज्ञ संबंध ।
- प्रशासन पर वधियाँ एवं न्यायिक नयित्त्रण- वधियाँ एवं न्यायिक नयित्त्रण की विभिन्न पद्धतियाँ एवं तकनीक ।
- राजस्थान में प्रशासनिके ढाँचा एवं प्रशासनिके संस्कृति- राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रीपरिषद, राज्य सचिवालय एवं मुख्य सचिव ।
- जिला प्रशासन- संगठन, जिलाधीश एवं पुलिस अधीक्षक की भूमिकि, उपखण्ड एवं

तहसील प्रशासन । प्रशासनिके विकास- अर्थ, क्षेत्र एवं विशेषताएँ राज्य मानवाधिकार आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग, राज्य वतिके आयोग, लोकायुक्त, राजस्थान लोक सेवा आयोग एवं राजस्थान लोक सेवा अधिनियम, 2011)

इकाई II खेल एवं योग, व्यवहार एवं वधि

खण्ड अ- खेल एवं योग • भारत में खेलों की नीतियाँ ।

- राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद ।

- राष्ट्रीय खेल पुरस्कार (अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार, राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार, महाराणा प्रताप पुरस्कार इत्यादी)
- सकारात्मक जीवन पद्धति - योगा।
 - भारत के श्रेष्ठ खिलाड़ी।
 - खेलों में प्राथमिक उपचार।
 - भारतीय खिलाड़ियों की ओलम्पिक में भागीदारी एवं पैरा ओलम्पिक खेल।

खण्ड ब- व्यवहार

- बुद्धि: संज्ञानात्मक बुद्धि, सामाजिक बुद्धि, संवेगात्मक बुद्धि, सांस्कृतिक बुद्धि और हॉवरड
- गार्डनर का विविध बुद्धि सिद्धान्त।
- व्यक्तित्व: मनोवैश्लेषण सिद्धान्त, शीलगुण व प्रकार सिद्धान्त, व्यक्तित्व निर्धारण के कारक और व्यक्तित्व मापन विधियाँ।
- अधिगम और अभिप्रेरणा: अधिगम की शैलियाँ, स्मृति के मॉडल और वसिस्मृति के कारण अभिप्रेरणा के वर्गीकरण व प्रकार, कार्य अभिप्रेरणा के सिद्धान्त और अभिप्रेरणा का मापन
- जीवन की चुनौतियों का सामना करना: तनाव: प्रकृति, प्रकार कारण, लक्षण, प्रभाव, तनाव प्रबंधन और सकारात्मक स्वास्थ्य का प्रोत्साहन।

खण्ड स- वधि

- वधिकी अवधारणा- स्वामित्व एवं कब्जा, व्यक्तित्व, दायित्व, अधिकार एवं कर्तव्य।
- वर्तमान वधिकी मुद्दे- सूचना का अधिकार, सूचना प्रौद्योगिकी वधि साइबर अपराध सहति (अवधारणा, उद्देश्य, प्रत्याशायें), बौद्धिक सम्पदा अधिकार (अवधारणा, प्रकार एवं उद्देश्य)।
 - स्तरियों एवं बालकों के वरिद्ध अपराध- घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न, लैंगिक
 - अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012, बाल शर्मकों से संबंधित वधि।
 - राजस्थान में महत्वपूर्ण भूमि विधियाँ:
 - (क) राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956
 - (ख) राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955

प्रश्न पत्र IV सामान्य हनिदी एवं सामान्य अंग्रेजी

सामान्य हनिदी ईकाई-सामान्य हनिदी: कुल अंक 120, इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य अभ्यर्थी की भाषा-वषियक क्षमता तथा उसके विचारों की सही, स्पष्ट एवं प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति की परख करना है।

भाग अ- (अंक 50)

- संधि एवं संधि-विच्छेद - दिए हुए शब्दों की संधि करना और संधि-विच्छेद करना
- उपसर्ग - सामान्य ज्ञान, उपसर्गों से शब्दों की संरचना तथा शब्दों में से उपसर्ग एवं शब्द पृथक् करना। • प्रत्यय - सामान्य ज्ञान, दिए हुए प्रत्ययों से शब्द बनाना और शब्दों में से शब्द एवं प्रत्यय पृथक् करना
- पर्यायवाची शब्द
- वलिोम शब्द
- समश्रुत भिन्नार्थक शब्द-दिए हुए शब्द-युग्म का अर्थ-भेद
- वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द
- शब्द शुद्धि
- वाक्य शुद्धि
- मुहावरे- मुहावरों का वाक्य में सटीक प्रयोग
- कहावत/लोकोक्त-केवल भावार्थ
- पारभाषिक शब्दावली- प्रशासन से संबंधित अंग्रेजी शब्दों के समानार्थ हनिदी

पारभाषिक शब्द

भाग ब- (अंक 50)

- संक्षिप्तीकरण - गद्यावतरण का उचित शीर्षक एवं लगभग एक-तहिाई शब्दों में संक्षिप्तीकरण (गद्यावतरण की शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)
- पल्लवन - कसिी सूक्ति, काव्य पंक्ति, प्रसिद्ध कथन आदि का भाव वसितार (शब्द सीमा-लगभग 100 शब्द)
- पत्र-लेखन - सामान्य कार्यालयी पत्र, कार्यालय आदेश, अर्धशासकीय पत्र, अनुस्मारक
- प्रारूप-लेखन - अधिसूचना, नविदि, परपित्त्र, वजिजपत्ति
- अनुवाद - दिए हुए अंग्रेजी अनुच्छेद का हनिदी में अनुवाद। (शब्द सीमा-लगभग 75 शब्द)

भाग स- (अंक 20)

- कसलसी सामयकल एवं अन्य वषलड पर नबलध लेखन (शडुद सीडड लडडडड-250 शडुद)

General English (Total marks 80)

Part A-Grammar & Usage (20 Marks)

- Correction of Sentences: 10 sentences for correction with errors related to: Articles & Determiners
- Prepositions
- Tenses & Sequence of Tenses
- Modals
- Voice- Active & Passive
- Narration-Direct & Indirect
- Synonyms & Antonyms
- Phrasal Verbs & Idioms
- One Word Substitute
- **Words often Confused or Misused**

Part B - Comprehension, Translation & Precis Writing (30 Marks)

- Comprehension of an Unseen Passage (250 Words approximately) 05 Questions based on the passage. Question No. 05 should preferably be on vocabulary.
- Translation of five sentences from Hindi to English.
- Precis Writing (a short passage of approximately 150-200 words)

Part C- Composition & Letter Writing (30 Marks)

- Paragraph Writing. Any 01 paragraph out of 03 given topics (approximately 200 words)
- Elaboration of a given theme (Any 1 out of 3, approximately 150 words)
- Letter Writing or Report Writing (approximately 150 words)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rpsc-syllabus>

